खारे पानी में खेती 7

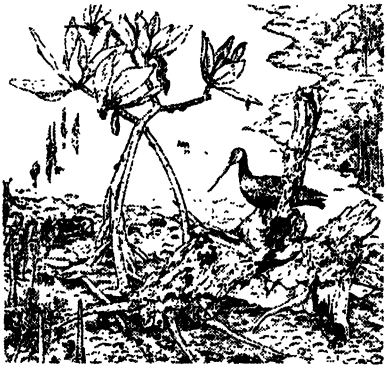

समुद्र में पानी भरपूर है लेकिन यह पानी पेड़-पौधों, फसलों की सिंचाई के लिए अनुपयुक्त है। भारत में समुद्र तटीय इलाकों में, डेल्टा प्रदेशों में पनपने वाली मेन्ग्रोव वनस्पति साल भर हरी-भरी रहती है! ऐसा किस तरह संभव हो पाता है? मेन्ग्रोव में ऐसा क्या खास है जिससे वे इस खारेपन मे निपट लेते हैं? क्या अन्य वनस्पतियों को भी खारे पानी की सिंचाई के बावजूद हरा-भरा बनाए रखा जा सकता है?

महाराष्ट्र के तटीय इलाकों में किए गए प्रयोगों से यह समझ बन रही है कि खारे पानी की सिंचाई के बावजूद नीम, पीलू, खेजड़ी, झाऊ, ग्वारफाटा, नीलगिरी, नारियल, ताड़ आदि को आसानी से उगाया जा सकता है।

हम गाय की जात 17

पवित्रता, धार्मिक प्रतीकों से लैस गाय भारतीय संस्कृति में एक खास पायदान पर है। हमारी सामाजिक व्यवस्था में गाय और औरत को एक जैसा दर्जा दिया गया है। एक कहावत भी है – गोशाला में गैया और घर में मैया। औरतों से यह अपेक्षा होती है कि वह गाय की तरह सीधी, ममतामयी और सहनशील बनी रहे। सदियों से ढर्रे पर चल रही इस व्यवस्था में कभी-कभार परिवर्तन की आवाज़ सुनाई देती है।

कनाडा में कॉलेज के लड़के-लड़कियों को हिन्दी पढ़ाते हुए, विद्यार्थियों के निबंधों में लेखिका ने कहीं-कहीं एक ऐसी ही परिवर्तन की बयार को महसूस किया है।

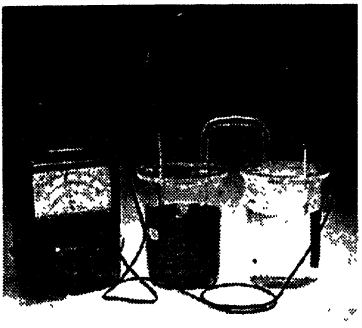

विद्युत रासायनिक सेल . . . 37

बिजली बनाने के कई तरीकों के बारे में हम जानते हैं जैसे ताप बिजलीघर, पन बिजली, यांत्रिक विधियों से बिजली बनाना ..... इत्यादि। लेकिन पहली बार जब बिजली बनाई गई तो उसे विद्युत रासायनिक सेल से बनाया गया था।
यदि आप खुद एक सेल बनाना चाह रहे हों तो नींबू के रस से सेल बना सकते हैं। और उससे एल.ई.डी. भी जला सकते हैं।

रेबीज़ 58

6 जुलाई 1885, पागल कुत्ते द्वारा बुरी तरह काटे गए जोसफ मीस्टर को लुई पास्चर की प्रयोग शाला में लाया गया और जोसफ का नाम चिकित्सा जगत के इतिहास में दर्ज़ हो गया। पहली बार किसी इंसान को रेबीज़ के खिलाफ टीका दिया गया था।
इस टीके को तैयार करने, अपने अवलोकन के बारे में लुई पास्चर ने विस्तार से एक लेख प्रकाशित किया था। रेबीज़ के बारे में पास्चर की कलम से लिखा पढ़िए।

शैक्षिक संदर्भ

अंक 38 जून–जुलाई 2001

इस अंक में

आपने लिखा 6

खारे पानी में खेती 7
कर्वे एवं झेंडे

हम हैं गाय की जात 17
विद्युल्लेखा अकलुजकर

हृदय कैसे काम करता है 33
जे. बी. एस. हाल्डेन

विद्युत रासायनिक सेल 37
अम्लान दास

अपने हाथ विज्ञान 42

ज़रा सिर तो खुजलाइए 50

गुरुत्व की बारीक बातें 51
नरेश दधीच

रेबीज़ 58
लुई पास्चर

यानुस कोर-चौक 67
ब्रूनो बेटलहाइम

ज्योतिषी का नसीब 83
आर. के. नारायण

भालू भी, खीरा भी 91
किशोर पंवार